

April 2025



# E-GYAN

महर्षि संवत्सर 108, विक्रम संवत्सर 2082,  
वैशाख शुक्ल पक्ष 3, बुधवार 30 अप्रैल 2025

अंक – एक सौ इक्यानबे Volume - 191

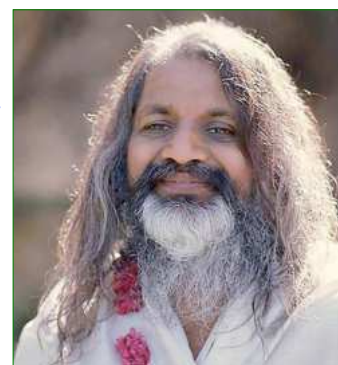
- E-mail - [cpr@mssmail.org](mailto:cpr@mssmail.org)
- Website - [www.e-gyan.net](http://www.e-gyan.net)



# Maharishi Ji Speaks to Students

## Fruit of all knowledge through Maharishi's Science of Creative Intelligence

Direct perception can be deluding; therefore, perception alone cannot be a firm criterion for right knowledge. Understanding must support perception in order for perception to be an authentic means of gaining knowledge. Perception satisfies the heart, and understanding satisfies the mind. Right understanding along with direct perception is necessary to give complete knowledge. On levels where perception and understanding differ in the relative field of life, knowledge may remain incomplete.



At the unmanifest level of Creative Intelligence, where existence and intelligence are the same, perception and understanding are not different. At this level, where perception and understanding are most refined, knowledge is right, complete, and therefore fulfilling.

ऋतम्भरा प्रज्ञा Ritambhara pragya — 'that intelligence which fathoms only the truth' is that level of awareness where mental activity is at its finest level. Perception belongs to the field of the senses, and understanding belongs to the field of the intellect. At the level of ऋतम्भरा प्रज्ञा Ritambhara pragya the difference between the intellect and the senses is minimal because that is the level which is closest to Transcendental Consciousness, where no differences exist. At this level, knowledge derived from perception and knowledge derived from understanding will be in perfect accordance with each other.

Knowledge is structured in consciousness and knowledge is different in different states of consciousness. Therefore, the different means of gaining knowledge perception and understanding depend upon one's level of consciousness. For knowledge to be complete and fulfilling it must be based on pure consciousness. The field of Creative Intelligence, pure consciousness, is the basis of all knowledge and is the fountainhead from which all the streams of knowledge arise. Gaining this level of awareness through Maharishi's Transcendental Meditation Programme, one is able to derive the benefit of all knowledge. By developing the full potential of Creative Intelligence in one's awareness one is able to fulfil all one's desires and be successful in all fields of life.

Maharishi's Science of Creative Intelligence provides the experience and understanding of the basis of all knowledge, the field of pure Creative Intelligence. The purpose of the Science of Creative Intelligence is to develop an individual who is most progressive, creative, and able to apply his Creative Intelligence to all fields of activity. It is vital to gain the benefit of all knowledge. This can only be accomplished by gaining the basis of all knowledge. However, it is also important to study different fields of life in order to be of maximum benefit to oneself and society.

For the full development of Creative Intelligence, it is necessary to alternate meditation and activity. In this way one develops the ability to maintain inner silence along with dynamic activity and thus is able to draw upon the reservoir of Creative Intelligence to achieve maximum in life.

*Jai Guru Dev*



अमृत विचार प्रवाह .....

# संबंधों का निर्वहन



ब्रह्मचारी गिरीश जी, अध्यक्ष  
महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह



चैत्र नवरात्रि शक्ति, समर्पण, कृतज्ञता, उत्साह, भक्ति, हर्ष, उल्लास का समय है और वह भी भारतीय नव वर्ष पर, वह भी प्रत्येक की स्वयं की वर्तमान स्थिति को केंद्र में रखकर। अपने मन की नकारात्मकता को नष्ट कर भविष्य का मार्ग तय करने का एवं पौराणिक ज्ञान-विज्ञान के महत्व को भी समझने का यही सही समय है। ऋतु परिवर्तन पर खान-पान को नियंत्रित करते हुए स्वयं को भीतर से एवं बाहर से शक्ति का अनुभव एवं संचय करने का प्रयास करना चाहिए। भारतीय सनातन संस्कृति में कुटुम्ब को केंद्र में रखा गया है। समस्त कुटुम्बी सहित इस आराधना के पर्व को मनाते हैं तो पारिवारिक आत्मीयता का अनुभव होता है और साथ ही साथ किसी भी उत्सव के आनंद में उत्तरोत्तर वृद्धि हो जाती है, क्योंकि हम सामाजिक प्राणी हैं। हम समाज से अलग नहीं रह सकते अतः जीवन में संबंधों का होना आवश्यक है। जीवन-संबंध है और संबंध ही जीवन है। वर्तमान परिवेश में अनेक प्रकार की नकारात्मकता व्याप्त है इसका कारण ही जीवन में संबंधों की कमी है। जब हम परिवार में रहते हैं तो माता-पिता, दादा-दादी, भाई-बहन, चाचा-चाची, ताऊ-ताइजी इत्यादि के जीवन से हमें अपने जीवन में आने वाली घटनाओं से उभरने की सीख मिलती है। घर में ही विभिन्न विचारधाराओं के लोगों से बातचीत करना, संबंध बनाए रखना हमारे चरित्र को गढ़ता है। संबंधों के बिना हम कुछ नहीं हैं। हमारे होने का प्रमाण ही संबंध है आप किसी के पुत्र हैं, किसी के पौत्र हैं, किसी के भतीजे हैं, किसी के मित्र हैं, किसी के शिष्य हैं, किसी के गुरु हैं, किसी के पिता हैं, किसी के भाई हैं इत्यादि। अनेकानेक संबंधों की डोर से हमारा जीवन बँधा हुआ है जो हमें संबल प्रदान करता है। हमें स्वयं पर यह पड़ताल करनी चाहिए कि हम किसके समान संबंधों का निर्वहन करें। ऐसे में एक ही चरित्र है जो मर्यादा पुरुषोत्तम 'श्रीराम जी' का है। तुलसीदास जी ने रामचरितमानस की रचना इसलिए ही तो की जिसके श्रवण, मनन एवं अध्ययन से जन-मानस जीवन की कठिनतम परिस्थितियों में भी अपने समस्त उत्तरदायित्वों

हमें स्वयं पर यह पड़ताल करनी चाहिए कि हम किसके समान संबंधों का निर्वहन करें। ऐसे में एक ही चरित्र है जो मर्यादा पुरुषोत्तम 'श्रीराम जी' का है। तुलसीदास जी ने रामचरितमानस की रचना इसलिए ही तो की जिसके श्रवण, मनन एवं अध्ययन से जन-मानस जीवन की कठिनतम परिस्थितियों में भी अपने समस्त उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए अपना जीवन आनंदित कर सकें। संबंध जीवन का दर्पण है जिसमें हम स्वयं को देख सकते हैं परंतु हमें स्वयं से न्याय करना है। संबंधों के इस दर्पण में हमें हमारी सच्ची तस्वीर दिखती है किंतु हम स्वार्थ वश मात्र अपना उज्ज्वल चरित्र ही देखने का प्रयास करते हैं, हम हमारी मानसिकता के आधार पर तय करना चाहते हैं। किंतु दर्पण का उद्देश्य यह है कि वह हमें अपने शरीर व चरित्र की नकारात्मकता को भी दिखाता है अतः उसे सुधारने का प्रयास करें।

का निर्वहन करते हुए अपना जीवन आनंदित कर सकें। संबंध जीवन का दर्पण है जिसमें हम स्वयं को देख सकते हैं परंतु हमें स्वयं से न्याय करना है। संबंधों के इस दर्पण में हमें हमारी सच्ची तस्वीर दिखती है किंतु हम स्वार्थ वश मात्र अपना उज्ज्वल चरित्र ही देखने का प्रयास करते हैं, हम हमारी मानसिकता के आधार पर तय करना चाहते हैं। किंतु दर्पण का उद्देश्य यह है कि वह हमें अपने शरीर व चरित्र की नकारात्मकता को भी दिखाता है अतः उसे सुधारने का प्रयास करें। 'मैं कौन हूँ?' यह विचार अन्य सभी विचारों को नष्ट कर देगा। यदि अन्य विचार उठें, तो उन्हें पूरा करने का प्रयास किए बिना, यह पूछना चाहिए कि यह विचार किसके लिए उठ रहा है। इससे क्या प्रभाव पड़ता है कि कितने विचार उठ रहे हैं? प्रत्येक विचार के उठने पर व्यक्ति को सतर्क रहना चाहिए और पूछना चाहिए कि यह विचार किसके लिए उठ रहा है। उत्तर होगा 'मेरे लिए'। यदि आप 'मैं कौन हूँ?' के बारे में पूछेंगे, तो मन अपने स्रोत पर वापस लौट जाएगा। जो विचार उठा था, वह भी डूब जाएगा। जैसे-जैसे आप इस प्रकार का अभ्यास अधिक से अधिक करेंगे, मन की अपने स्रोत के रूप में बने रहने की शक्ति बढ़ती जाएगी। समर्पण प्राप्त करने के दो उपाय हैं। एक है 'मैं' के स्रोत को देखना और उस स्रोत में विलीन हो जाना। दूसरा है, यह महसूस करना कि मात्र ईश्वर ही सर्वशक्तिमान है और स्वयं को पूरी तरह से उस पर समर्पित करने के अतिरिक्त मेरे लिए सुरक्षा का कोई दूसरा उपाय नहीं है? और इस प्रकार धीरे-धीरे यह विश्वास विकसित करना कि मात्र ईश्वर ही उपस्थित है और अहंकार मायने नहीं रखता। दोनों तरीके एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं। वास्तव में पूर्ण समर्पण, ज्ञान या मुक्ति का दूसरा नाम है। ईश्वर, गुरु और आत्मा एक ही हैं। जिस अवस्था को हम आत्म-साक्षात्कार कहते हैं, वह बस स्वयं होना है, कुछ भी जानना या कुछ बनना नहीं। अगर किसी ने आत्म साक्षात्कार कर लिया है, तो वह वही है, जो अकेला है और जो अकेला सदैव से रहा है। वह उस अवस्था का वर्णन नहीं कर सकता। वह मात्र वही हो सकता है। हम श्रेष्ठ शब्द के अभाव में आत्म-साक्षात्कार की बात शिथिलता से करते हैं। हमें बस इतना करना है कि चुप रहना है। शांति हमारा वास्तविक स्वभाव है। हम इसे बिगाड़ते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम इसे बिगाड़ना बंद करें। यह ठीक उसी प्रकार है कि जब आप यह मानते हैं कि आप को कोई रोग हो गया है और उस रोग को दूर करने के लिए आपको चिकित्सक की आवश्यकता है किंतु यदि आप स्वयं के स्वास्थ्य को अनदेखा कर देंगे तो आपकी व्याधि, संक्रमण सम्पूर्ण शरीर में व्याप्त हो जायेगा। अतः स्वयं के साथ न्याय करें। संबंध रूपी दर्पण आपको सही स्थिति का दर्शन कराता है उसे अनदेखा न करते हुए अपने विचार एवं व्यवहार में परिवर्तन लाने का प्रयास करें, क्योंकि स्वयं में सुधार लाना ही प्रकृति का नियम है। आपकी इस दुविधा को सुविधा में परिवर्तित करने का सरल एवं सहज उपाय परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने प्रतिपादित किया है भावातीत ध्यान के रूप में जिसका नियमित, प्रतिदिन, प्रातः एवं संध्या को 15 से 20 मिनट का अभ्यास आपको परिवर्तन की ओर प्रेरित करने का सशक्त सरलतम माध्यम सिद्ध होगा।

**जय गुरु देव, जय महर्षि जी**



## महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रारम्भ



महर्षि शैक्षणिक संस्थान समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने शिक्षकों के समूह को सम्बोधित करते हुये बतलाया कि भारत के 125 से भी अधिक शहरों में “महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान” का प्रारम्भ हो चुका है और अब इसके विस्तार पर कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि “श्रीरामचरितमानस एवं श्रीमद्भगवद्गीता तथा देवी-देवताओं के स्तोत्र जीवन के अनेक क्षेत्रों का रहस्य, ज्ञान एवं उपदेश धारित किये हुए हैं। इनका पठन-पाठन, अध्ययन-अध्यापन एवं श्रवण जीवन हितकारी है तथा व्यक्तिगत, सामूहिक एवं सामाजिक विश्व शांति स्थापित करने में अत्यंत प्रभावकारी है। अतः महर्षि विश्व शांति ट्रस्ट ने बड़े स्तर पर भारतीय समाज की सामूहिक चेतना में जाग्रति लाने एवं शांति स्थापित करने हेतु जनमानस में इन दोनों ग्रंथों तथा देवी-देवताओं के स्तोत्र के अध्ययन-अध्यापन तथा नियमित सामूहिक पाठ का प्रबंध करने की योजना बनाई है।



इस कार्यक्रम का लक्ष्य वेदभूमि भारत के प्रत्येक भारतीय नागरिक के आध्यात्मिक उत्थान एवं समृद्धि और आनंद के साथ विकास के लिए प्रत्येक जिले, ब्लॉक तथा ग्राम स्तर पर महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान को संचालित करना है। भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान के आधार पर भारत को जगत गुरु के रूप में सदा स्थापित रहने के लिए देश के विभिन्न स्थानों में रहने वाले लोगों के बीच श्रीरामचरितमानस व श्रीमद्भगवद्गीता सहित प्राचीन भारतीय आध्यात्मिक साहित्य में निहित ज्ञान के भंडारण और प्रसार के लिए कार्य करना है।

जनमानस को उनके इष्ट देवता के साथ ही साथ वैदिक गुरु परंपरा का पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आध्यात्मिक ग्रंथों एवं तकनीकों जैसे ज्योतिष, यज्ञ, स्थापत्य वेद, गंधर्व वेद, आयुर्वेद, योग आदि में बतलायी गई पद्धतियों का प्रयोग करने हेतु जागरूक करना है। ज्योतिष, स्थापत्य वेद, यज्ञ, आयुर्वेद, गंधर्व वेद आदि में परामर्श प्राप्त करने हेतु सहायता करना, ग्रहशांति आदि हेतु यज्ञ करवाना, स्थापत्य वेद के अनुसार आवास गृह की संरचना तथा प्राकलन तैयार कराना इत्यादि तथा इन कार्यों के लिए आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करना है। विभिन्न ऑनलाइन तथा ऑफलाइन साधनों के माध्यम से महर्षि आध्यात्मिक ज्ञान तक पहुंच प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम के प्रसार एवं प्रगति के मूल्यांकन हेतु भोपाल स्थित महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के राष्ट्रीय कार्यालय में एक कक्ष की स्थापना की गई है जिसका दूरभाष क्रमांक 0755-2432100 (extension No. 323) तथा e-mail: [maja@mssmail.org](mailto:maja@mssmail.org) है। किसी भी जानकारी हेतु इन पर संपर्क किया जा सकता है।





## **Brahmachari Girish Ji visited Ashram of Acharya Krishnadas Shastri Ji Maharaj**

Brahmachari Girish Ji visited Ashram of Acharya Krishnadas Shastri Ji Maharaj, a highly reputed Kathavachak from Vrindavan. Brahmachari Ji was welcomed by Acharya Ji and many other saints and special guests. Girish Ji also honoured Acharya Ji with garland, he also did puja in Shri Ram Darbar Mandir of the Ashram.



## **Brahmachari Girish Ji attended Education Conclave 2025**

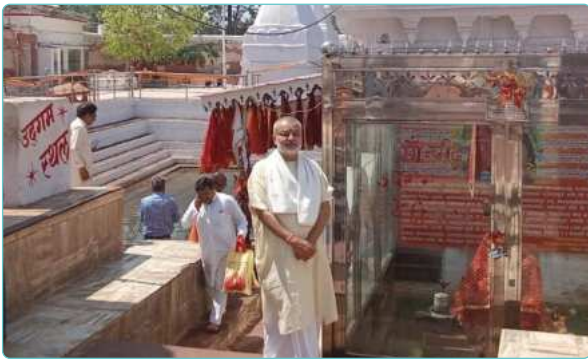


Brahmachari Girish Ji attended 'Education Conclave 2025' organised by Bhaskar Group at New Delhi. Many eminent scholars addressed the conclave on different topics like new provisions on education in NEP 2020, Education Institutional Branding, Educational Institutions Finances and Administration, Challenges in running educational institutions. Brahmachari Ji shared information of Maharishi Global Organisations and programmes with many of prominent personalities of the country. Girish Ji also

met head of Bhaskar Group Shri Girish Agrawal Ji.



## Brahmachari Girish Ji visited Amarkantak



Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji visited Amarkantak, where fifth largest holy river of India Narmada Ji has originated from a Shivlinga in Narmada Kund. He worshiped Maa Narmada. Brahmachari Ji informed that "For last few years I had strong desire to visit Amarkantak where Shri Gurudev Swami Brahmanand Saraswati Maharaj Ji has spent large part of his life in dense forest, and to get the blessings of Maa Narmada and Shri Guru Dev. After puja, I prayed that the flow of progress of Maharishi Organisation

should be eternal as the flow of Narmada Ji. It was very fulfilling to spent a day in the pure, divine and peaceful atmosphere. I got the feeling that all divine Sankalpas of Maharishi Ji will get fulfilled very soon for the benefit of mankind." Sthapati Shri Nipam Sompura, Shri Arvind Singh Rajput, Shri Ramdev Dubey, Shri Dheeraj Kumar accompanied Brahmachari Ji and performed pujan.

## Construction of Panch Devatas Temple Started at Brahmsthan of India



Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji has taken up the construction of 5 temples of Panch Devatas at Brahmsthan of India to fulfil divine desire of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji. Bhumi and Shila Puja was done by Maharishi Vedic Pundits in auspicious presence of Brahmachari Girish Ji in auspicious Muhurta given by Jyotish department of Maharishi Ved Vigyan Vishwa Vidyapeeth.

Temple Architect-Sthapati Shri Nilimp Sompura, builder Shri Ajay Grover, Shri Arvind Singh-ex-

Registrar of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwa Vidyalyaya, Shri Ramdev Dube, Joint Director of Maharishi Vidya Mandir Schools Group, Shri Arvind Singh, Brahmsthan Vidyapeeth campus in-charge performed the Bhumi and Shila puja. Construction will commence very soon and will complete within a working year. Brahmachari Girish Ji in his address to all assembled said "I am bound to fulfil all divine Sankalpas of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji and construction of 5 temples of Panch Devatas is one of Maharishi Ji's highly desired Sankalpa. I invite all the members of Maharishi Organisation to join me in completing this task given by Maharishi Ji."



## New Maharishi Kids Home inaugurated in Chhindwara (M P)



The grand opening ceremony of Maharishi Kids Home - A unit of Maharishi Shiksha Santhan was held at Chhindwara on the auspicious occasion of Chaitra Pratipada and Gudi Padwa, marking a significant milestone in the field of early childhood education.

The event was graced by Hon'ble Vivek Banty Sahu, Member of Parliament, Chhindwara, who was the chief guest and Shri Vikram Ahakey, Mayor of Nagar Nigam, Chhindwara, who was the guest of

honour and other esteemed dignitaries. Their presence added prestige to the occasion, emphasizing the importance of quality education in shaping the future of young minds.



The ceremony commenced with the Guru Poojan, Sundarkand Path and traditional lighting of the lamp, symbolizing wisdom and knowledge. This was followed by cultural performances by the students of Maharishi Vidya Mandir, Chhindwara. The young learners captivated the audience with their vibrant dance performances and melodious songs. A special recital of Sundarkand was also presented, filling the atmosphere with devotion and spirituality.

Speaking on the occasion, Shri Vivek Banty Sahu expressed his admiration for the initiative and emphasized the role of early education in nation-building. Mayor Vikram Ahakey also lauded the efforts behind establishing the school and assured continued support for its growth and success.

The event concluded with a vote of thanks by the Principal MVM, Chhindwara, acknowledging the contributions of guests, parents, and teachers. The grand opening of Maharishi Kids Home marked the beginning of an educational journey dedicated to nurturing young talents in a holistic and value based environment.



### Maha Nature®

**SHOWROOM**

E-7/4, Chitragnpt Society, Arera Colony, Bhopal (M.P.) - 462 016  
Mobile : +91 9425632347, 9691942434, Email: mahanatureinfo@gmail.com

**Natural and Pure Products**

**Personal Care, Herbal Care, House Hold, Clothing and Stationery**



## Presentation of Book



### "Param Pujya Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish"



From great Temple Architects family of Gujarat India, Sompura, Brahmachari Girish Ji honoured Shri Nipam Sompura Ji with his book "Param Pujya Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish" and a special Moti Mala with locket of Maharishi Ji's picture. It is worthy to mention here that Sompura family has designed and constructed hundred of temples in India for last many generations.

## Dainik Bhaskar Group Awards Brahmachari Girish Ji

Dainik Bhaskar Group has identified and awarded some of the highly accomplished leaders from different fraternity i.e. business, construction, educationists, medical etc. Brahmachari Girish ji was awarded for his unparalleled accomplishments in the field of education and many other areas .



## Global School Leaders Consortium Awards Brahmachari Girish Ji

Global School Leaders Consortium has identified and selected best administrators and Principals for Excellence Award. 9 principals of MVM Schools Group Smt. Vasanthy Parasuraman, MVM Hyderabad, Smt. Ramlakshmi, MVM Thanjavur, Smt. Shruti Ohale, MVM Bhandara, Sushri Samita Datta, MVM Silchar, Smt. Panchali Roy, MVM Guwahati, Shri J N Upadhyaya, MVM Sultanpur, Shri C K Sharma, MVM Chhatarpur, Shri Satish Chaurasia, MVM Balaghat, Smt. Veena Bahuguna, MVM NOIDA and Shri Yateesh Saxena, Additional Director of MVM Schools Group received the award. Brahmachari Girish Ji, Chairman of Maharishi Group of Educational Institutions was invited as Special Guest of Honour and was honoured by the GSLC group. Girish Ji was also requested to confer awards to the awardees.





## Maharishi World Peace Assembly Organised at Bhopal

Maharishi World Peace Assembly was organised at Bhopal under the banner of Maharishi World Peace Movement from 29<sup>th</sup> March to 4<sup>th</sup> April 2025 on the auspicious occasion of Chaitra Navratri. More than 40 practitioners of Transcendental Meditation, TM-Siddhi programme and Yogic Flying participated in the Assembly. The main focus was on long morning and evening “Sadhna” including Surya Namaskar, offering of Surya Argha to Sun with mantras, pranayam and practice of TM and its advance programmes.



Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji, Hon'ble President of Maharishi World Peace Movement welcomed and congratulated all the participants for attending this Maharishi World Peace Assembly and thanked them for contributing their time and efforts in creating the world peace. Brahmachari Ji in his welcome address said: “Ocean is created by drops of water. We are individuals who follow and participate in Maharishi Ji’s programmes to create world peace are like drops in ocean, but we all are having great role in this greatest effort.” Brahmachari Ji has invited all to find some time on regular basis

to create peace for themselves and radiate that peace for the benefit for our fellow world citizens in the family of nations.



In his address during valedictory celebration Brahmachari Ji said that “we, the representative of Holy Tradition – Vedic Guru Parampara in current generation, having Vedic knowledge from Maharishi Ji and from Vedic Holi Tradition, have responsibility to impart this knowledge to current generation and to secure it for all future generations. We invite all of you to join this Maha Yagya for creating peace, harmony and bringing Bliss in the collective consciousness of India and of the world through India.”







Brahmachari Ji further said that “Bliss and peace are synonyms and complementary to each other and we are committed to gift this to humanity following our Vedic tradition.”

Knowledge of Maharishi Vedic Science, Maharishi Vedic Approach to Health, Vedic Astrology, Yagyanushthan, Gandharva Veda, Vedic Agriculture, forestry and horticulture, Vedic Life Style, Veda in Physiology, Sthapatya Veda-Vastu Vidya, Science of Being and Art of Living topics were covered in details by different experts during the Assembly. Participants



mentioned that they really enjoyed participating and learning a lot from this Assembly.

Course Director Prof. Bhunvesh Sharma, former VC of MMYVV, Course Administrator Shri V. R. Khare, Secretary General of Maharishi World Peace Movement and Smt. Arya Nandkumar, National Secretary - Communication of Maharishi World Peace Movement, Shri Ranjan Singh Patwari, National Coordinator, MCBE and Smt. Anita Bhargava, TM and Siddhi Administrator, have put all efforts to make this Assembly successful.





## महर्षि वैदिक स्वास्थ्य केन्द्र

### MAHARISHI VEDIC HEALTH CENTRE

एच.सी.ई.ई. परिसर, बिल्डिंग नं. 1, वैदिक रोड, पोपल (म.प्र.)

### महा हेल्थ प्रिविलेज कार्ड

नाड़ी, अग्नि व प्रकृति परीक्षा तथा त्रिदोषों में संतुलन हेतु

• पर्यवेक्षण • पारंपरिक एवं विशेष आयुर्वेदिक औषधियाँ • योग • ध्यान • चक्र

सामान्य नागरिक कार्ड	सुरक्षा कर्मी कार्ड	बहिष्कृत नागरिक कार्ड
 <b>कार्ड अंशदान</b> <b>₹. 500/-</b>	 <b>कार्ड अंशदान</b> <b>₹. 300/-</b>	 <b>कार्ड अंशदान</b> <b>₹. 300/-</b>

अधेष्टन व डाक व्यवस्था के रूप में ₹. 75/- प्रत्येक एकल कार्ड के लिये एवं ₹. 50/- समूह के प्रत्येक कार्ड के लिये कार्ड के योगदान के अतिरिक्त देय होगा।

### प्रत्येक तिमाही में एक नि:शुल्क परामर्श

\* कार्ड की वैधता कार्ड वाले की तिथि के साथ कार्ड के लिये होती है। एक वर्ष पश्चात् कार्ड का नवीकरण अंशदान ₹. 200/- देकर अपने एक वर्ष के लिये किया जायेगा।  
 \* कार्ड प्राप्त की जानकारी केन्द्र में से किसी भी एक के अधिकाधिक या अधिकाधिक परामर्श पर 300 रुपये अतिरिक्त और 300 से अधिक अंशदान पर 20 प्रतिशत तक की छूट प्रदान होगी। इसके अतिरिक्त महर्षि वैदिक स्वास्थ्य केन्द्र, कर्नाटक, महाराष्ट्र और अन्य वैदिक विद्यालयों में 'पारंपरिक' 'योग' और 'ध्यान' कार्यक्रमों में भी 20 प्रतिशत की छूट प्रदान होगी।  
 \* यदि दोष विनिर्देश कार्ड प्राप्त करने के अंशदान पर 300 रुपये और 35 प्रतिशत की छूट प्रदान होगी।

\* ध्यान व योग केन्द्र, बिल्डिंग नं. 1, वैदिक रोड, पोपल (म.प्र.)  
 \* कार्ड के लिये अधिक जानकारी के लिये हमें : [www.maharishivc.com](http://www.maharishivc.com)

ऑनलाइन परामर्श व  
 मिलने हेतु संपर्क सूत्र

## 0755-4023000, 7987379206





# Maharishi Vidya Mandir Schools Group Report

## World earth Day Celebration

All MVM Schools celebrated the 'World Earth Day'. The theme was 'Our Power, Our Planet'. The event was organised with energy, awareness, and a deep sense of responsibility towards nature. A special morning assembly was organised where students took a pledge to protect Earth. They under the guidance of teachers planted different types of plants to add more greenery. Poster making activities brought out creativity of students, as they shared messages on saving the planet. Seminars were conducted on 'Say No to Plastic' and 'Water Conservation'. Students arranged clay water pots for birds, spreading the message of kindness and compassion. Through these simple steps, our young environment warriors showed that small actions can lead to big changes.

*The celebration at various MVM Schools is depicted through the following picture gallery –*

### MVM - I Chhatarpur



### MVM - VI Jabalpur





# Events and celebrations

## MVM -III Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir, Maharajpur, Jabalpur hosted a grand Graduation Day ceremony to honor the hard work, dedication, and achievements of the students.



## MVM Amarpatan

Science exhibition, art & craft exhibition, fancy dress competition and Anand Mela programme were organised at MVM Amarpatan with great enthusiasm.





Also Shree Durga Ashtmi was celebrated at MVM Amarpatan with great devotion



### *MVM - III Chhatarpur*

Maharishi Vidya Mandir-III, Sarani Gate, Chhatarpur hosted a grand ceremony on the day of 'Annual Result Declaration' to honor the hard work, dedication and achievements of the students.



### *MVM Fatehpur*

Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur organised grand ceremony on the day of 'Annual Result Declaration'.





### *MVM- III Guwahati*

Transcendental Meditation initiation programme was organised in Maharishi Vidya Mandir-III, Borsajai, Guwahati on 1<sup>st</sup> April 2025 in school premises.



### *MVM - V Jabalpur*

One day capacity building programme on the topic 'Gender Sensitivity', was taken up by CBSE master resource person Smt. Sneha Chaturvedi, Principal, MVM-V, Jabalpur at St. Alloys Senior Secondary School, Jabalpur. 60 participants were present and showed the overwhelming response.



### *MVM Maihar*

Maharishi Vidya Mandir, Maihar, celebrated Hanuman Jayanti with great devotion and enthusiasm on 12 April 2025. The event began with the auspicious Shree Guruparampara Poojan performed by Shri Manoj Singh, Principal with teachers and students of MVM Maihar. On this occasion students showcased a series of devotional performances including dances, bhajans, and geet, all centered around the theme of devotion of Lord Hanuman. Their presentations reflected the cultural and spiritual richness of the students. A special highlight of the celebration was the beautifully presented Jhanki of Ram Darbar by the students, which added a traditional and divine touch to the event, drawing praise from everyone present. The celebration not only depicted the birth of Lord Hanuman Ji but also instilled values of devotion, discipline, and cultural pride among the students.



## MVM Panna

### महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय पन्ना में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित हुआ

दिनांक 29 मार्च 2025 को महर्षि विद्या मंदिर, पन्ना के विद्यार्थियों का वार्षिक परीक्षा परिणाम समारोह पूर्वक घोषित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का प्रारम्भ विद्यालय परंपरानुसार गुरु पूजन, सरस्वती पूजन एवं भावातीत ध्यान के अभ्यास के साथ हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री अरविंद सिंह यादव एवं मुख्य अतिथि के रूप में श्री राम जी वर्मा (सेवानिवृत्त कोषालय अधिकारी) रहे।



इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य श्री पी. के. दीक्षित ने सभी अतिथियों अभिभावकों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि “विद्या एक ऐसा अक्षय धन है जो खर्च करने पर बढ़ता है, और इसलिए सभी माता-पिता अभिभावकों को अपने पाल्य को विद्याध्ययन में हर संभव सहयोग एवं मार्गदर्शन करना चाहिए। केवल अंकों के प्रतिशत से किसी छात्र को योग्य या अयोग्य नहीं कहा जा सकता बल्कि बच्चे के विशेष योग्यता वाले क्षेत्र को पहचानकर उसे उसमें आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।”

श्री अरविंद सिंह यादव जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि “माता-पिता की सेवा ही भगवान की सेवा है। इसलिए छात्र-छात्राओं को संस्कारों की शिक्षा अवश्य दी जानी चाहिए और जिसके लिए महर्षि विद्या मंदिर की अपनी अलग पहचान है।”

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीराम जी वर्मा जी ने कहा कि “प्रत्येक माता-पिता को छात्र के शिक्षण में दिया गया सहयोग उसकी ज्ञान प्राप्ति की गति को कई गुना बढ़ा देता है। अतः हर अभिभावक को बच्चों के लिए समय अवश्य निकालना चाहिए।”

तदोपरांत प्राचार्य एवं अतिथिगणों द्वारा छात्र-छात्राओं एवं उनके माता पिता को सम्मानित कर उनका उत्साह वर्धन करते हुए परीक्षा परिणाम घोषित एवं वितरित किया गया। विद्यालय प्राचार्य ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त विद्यार्थियों के साथ-साथ समस्त छात्र-छात्राओं को उनके परीक्षा परिणाम के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।





### *MVM Naini -II, Prayagraj*

Pooja and celebration of first day of academic session 2025-26 in the school.



### *MVM Tumsar*

Summer camp was conducted in MVM Tumsar. In this camp art & craft activities were done by the participants under guidance of Art & Craft teacher. All students enjoyed the session and learned a lot.



### *MVM - I Chhatarpur*

Transcendental Meditation camp was organised for students and parents.





## *MVM Shahdol*

Hanuman Jayanti was celebrated in Maharishi Vidya Mandir, Maihar, Shahdol.



Also students of MVM Shahdol from class X won first rank in chess competition among all the schools of Shahdol Division. Also Maharishi Vidya Mandir, Shahdol received prize for maximum participation and Best School Award 2025.



## *Maharishi Kids Home, Ayodhya Nagar, Bhopal*

Aarav Soni student of MHK Ayodhya Nagar Bhopal won the first prize in Bhopal District Badminton Tournament 2025 in BS U 11 BD U 11 category and second position in BS U 13 at Player Academy Bhopal. He played three events. Chief guest Shri Sanjay Singh, DCP Bhopal awarded the winners.



आध्यात्मिक, आधिदैविक और आधिभौतिक तीनों तत्वों से सन्तुलित जीवन ही सर्वश्रेष्ठ जीवन हो सकता है।

— ब्रह्मचारी गिरीश



# Glory of Alumni of MVM Schools

## *From MVM - IV Guwahati*



I Vishal Agarwal, Lieutenant in Indian Army, had been a student at Maharishi Vidya Mandir, Borsajai, Guwahati all the way from kindergarten in 2004 to eventual completion of high school in 2017.

I spent lot of my childhood engaged in myriad activities such as swimming, drawing and

playing different sports such as cricket, badminton and football. After my 11th standard, I made an effort towards getting into a good college and ended up clearing JEE as well as 12<sup>th</sup> Board examination with flying colours.

I am thankful to and proud of all my teachers and classmates in Maharishi Vidya Mandir Borsajai, Guwahati who provided me holistic environment with the regular practice of Transcendental Meditation and teachings of His Holiness Maharishi Ji. Due to these ideologies only, I am able to fulfill my dream by being commissioned as an officer in the Indian Army.



## *From MVM Tiruvannamalai*



I am Deepika, Human Resource Professional from batch 2004 & I feel so happy & privileged to write about my school, Maharishi Vidhya Mandir Thiruvannamalai - A Legacy of Wisdom & Growth is one such institution that goes beyond academics and shaped me the way I'm today. It nurtures character, instils values & prepares each and every student for the successful future. Looking back to my school days, I realize that the corridor of MVM were more than just a passageway

between classrooms. They were a bridge to a brighter future, echoing with lessons that extended far beyond textbooks.

MVM has consistently been a shining example of holistic education. The school's unique approach is combining the academics with spiritual well-being which has been rooted in regular practice of Transcendental Meditation as propagated by His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji. This combinational teaching taught us to develop self-discipline, mindfulness & inner peace.

The Foundation of Excellence

We, as students, were introduced to Vedic period which were taken right after the morning prayer. The key agendas of the periods were - 1. Pranayama - to enhance energy level, 2. Sankalpa Mantra -to set clear intensions for the day & to maintain a mental discipline, 3. Transcendental Meditation (TM) - to remain calm in chaos, train our mind to be focused despite distractions & to be balanced in decision making.

Back then, sitting quietly with closed eyes for few minutes everyday morning seemed like just another routine. But today, I understand its significance. All the practices I followed in my childhood became deeply ingrained in me and helped shape the person I am today.

#### My Teachers - Our Silent Guardians

Every MVM student's success story has a teacher at its core a mentor, a guide & occasionally even a second parent. In addition to teaching us subjects, our teachers moulded our personalities, frequently in ways we weren't aware of until much later in life. They encouraged curiosity & independent thinking, making learning an interactive process rather than a monotonous task. The bond that we still have with our teachers today was built on mutual respect & trust.



#### Friendships - Inseparable memories

Friendships made in school are special. They are pure, unfiltered & effortless. Our friendships built on shared lunchboxes, hurriedly completed homework & inside jokes. There was something magical about those carefree days - Competing to see who could finish lunch first and run to the playground, secretly passing notes in class or walking back home together discussing everything about our dreams. We laughed over silliest things, fought over the smallest misunderstandings, and yet in the end, we knew we belonged to each other. I'm so happy to see my friends achieving great things today.

#### My seniors - The guiding stars

If friends were our partners in crime, seniors were our guiding stars. For everything we needed, we relied on our immediate seniors-whether it was getting books and notes from previous years, preparing for cultural events and sports day, or even just borrowing coloured chalk and dusters. They gave us tips on handling exams, whispered secret about upcoming question patterns & taught us unwritten rules of school life. Though they were studious, they were just as naughty as us. I still remember the faces of my super seniors - a different league altogether. They were an inspiration to us to be confident & responsible. I watched them with admiration - the way they balanced studies, leadership & fun, and I secretly wished to be like them one day.

#### The unspoken words of my heart

I would wish to have a rewind button in life just to go back & cherish my school days once again. The warmth, the connection, the belonging - it never fades. We may have taken different paths today, but a part of us will always be those school kids, laughing under the tree, running through the corridors, & discussing about the endless possibilities ahead.

MVM was not just a school - it was a journey, an emotion, a family. The lessons I learned within its walls weren't just about academics, but about friendships, resilience & kindness. And so, no matter where life takes me, a part of me will always remain there - In the laughter of my friends, in the wisdom of my teacher, in the guidance of my seniors and in the echoes of the place I once called a sanctuary!

Once an MVMite, Always an MVMite & TMite!!!





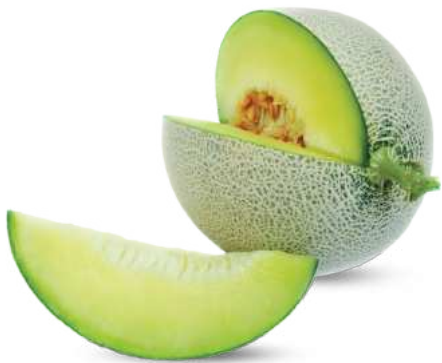
# WELLNESS NEWS



## Honeydew Melon Benefits & Nutrition Facts

Honeydew melon is a delicious, nutrient-dense melon, which is high in fibre and water content. This low-calorie fruit is known for its ability to aid in weight loss, reduce the risk of hypertension, and promote skin and hair health. Its fruity sweet flavour has made it a popular fruit world over. Honeydew melon benefits can have a healthy impact on your body if you make it a regular part of your daily diet.

### *Honeydew Melon*



The honeydew melon, sometimes called a honey melon, is a member of the muskmelon family. It has a peel that ranges in colour from yellow to light green, along with green, sweet flesh and numerous seeds. The melons can range in size from 4-6 pounds in weight. Honeydew melon grows in semi-arid climates, such as Chile and California.

It is commonly believed that honeydew is simply the American name for a variety of winter melon grown in France called the White Antibes melon. Imported to the States by a Mr. Gauger, he named his melon the honeydew, and the name stuck.

Honeydew is now grown all over the world and is a popular dessert and breakfast fruit. It is primarily used in fruit salads, sorbets, and served fresh. Honeydew pairs well with grapes. It is also a flavour in the popular Japanese liquor Midori and is a popular ingredient in cocktails.

### *Honeydew Nutrition*

A cup of honeydew melon balls (177g) contains 64 calories, and 6% recommended daily fibre, according to the USDA National Nutrient Database.

Honeydew is particularly high in potassium and vitamin C, along with some vitamin A, vitamin B complex, iron, calcium, and zinc.

### *How many calories are there in Honeydew?*

The USDA National Nutrient Database suggests that 100 grams of honeydew contain about 36 calories.

### *Honeydew Melon Benefits*

Related to cantaloupes and watermelons, honeydew melon may seem like just an easy low-calorie dessert alternative. However, in addition to being low in calories, this delicious melon has other health benefits as well.

### *Supports Weight Loss*

Being low fat and practically calorie-free isn't the only reason that honeydew always shows up on weight management diets and programmes. Honeydew melon also has a good amount of fibre.



Fiber is essential in your diet for scrubbing your digestive system and keeping it clean and regular. This helps your metabolism work faster and more efficiently. It also helps you feel fuller longer, to support appetite control, and also contributes to lower overall cholesterol.

### ***Prevents Hypertension***

As a potassium-rich food, honeydew melon is recommended for people suffering from hypertension (high blood pressure). Potassium helps flush excess sodium from your body and eases tension in your blood vessel walls. By adding this fruit to your diet, not only are you avoiding heavy carbs and processed sugars with a healthy treat, but you're also helping your heart in other ways as well.

### ***Strong Bones and Teeth***



Honeydew is a good source of calcium, which is a crucial ingredient for healthy, strong teeth and bones. Your body is constantly taking calcium stores from your bones and replacing them with new calcium. If there is less calcium coming in than going out, bones can grow weak, leading to greater risk for fractures or osteoporosis. According to the US Department of Health and Human Services, consuming high levels of calcium while you are young helps you to reach peak calcium levels, which can have long-term effects on your health. Calcium is particularly important for children and pre-pubescent teens to have calcium-rich diets, as their bones are growing rapidly, but older adults are also encouraged to

get more calcium, to slow down bone deterioration due to aging.

### ***Healthy Hydration***

Honeydew melon is composed of almost 90% water, making it the perfect snack for a hot, summer afternoon. Also, as mentioned earlier, honeydew is a great source of potassium, with 388mg of potassium in every cup. Potassium is a key mineral for controlling fluid balance and regulating electrolytes in your body, particularly sodium levels. Plus, potassium's anti-tension properties keep your body's fluids moving smoothly and pumping strong.

### ***Younger Looking Skin***

Honeydew melon is a great source of vitamin C, with one serving providing almost half your daily recommended amount. Vitamin C is famous for supporting your immune system, but it is also a key vitamin for skin health. Vitamin C helps produce collagen, the protein that helps maintain joint health and tissue strength. It is also the nutrient that keeps skin looking hydrated and bouncy. As we get older, collagen depletes from our skin. Vitamin C can help replenish some of that collagen, keeping wrinkles and fine lines at bay.



### ***Promotes Healthy Eyes***

Two phytonutrients in honeydew melon, lutein, and zeaxanthin, are essential for maintaining eye health as we get older. Together, they reduce the risk of cataracts, age-related blindness, and age-related macular degeneration. Lutein and zeaxanthin are both found in high concentrations in the retina, and they form a protective barrier, filtering out harmful blue light and keeping your eye cells healthy.





## *"India Growing in Positivity with Rise of Coherence in Collective Consciousness"*



### **Scientist Quits Job for Organic Farming with Moringa Leaves and Launches Profitable Venture**

When drumstick farming became unprofitable due to low market rates, Dr Kandasami Saravanan turned to harvesting the leaves instead. He launched a successful venture selling value-added products like moringa podi, leaf soup, and powder across the USA, Canada, Europe, and Gulf countries

In Somankottai village of Tamil Nadu's Tiruppur district, Dr. Kandasami Saravanan has created a lush green haven of moringa oleifera on four acres of land. Departing from conventional practices of waiting for the trees to bear drumsticks, Dr. Saravanan opts to quickly harvest its leaves.



For decades, his family had been cultivating moringa for harvesting drumsticks. However, the crop was becoming increasingly unprofitable and unsustainable owing to low market rates.

"For drumsticks, farmers earn between Rs 100 and Rs 150 per kg. But during peak production, the price reduces to as low as Rs 5 per kg. I observed moringa farming was becoming unprofitable for farmers despite its nutritional benefits," he shares.

"I learnt that the excessive supply of drumsticks resulted in low market rates, whereas its leaves were in much higher demand in the international market. So, I decided to switch to moringa leaves farming," he adds.

With just moringa leaves, Dr. Saravanan has set up a profitable venture by processing them into value-added products such as moringa podi, leaf soup, and powder.

Selling at over Rs 800 per kg, the former soil scientist has successfully tapped into an international market base in the USA, Canada, Europe, and several Gulf countries.

#### ***From research to roots: The start of a venture***



Dr. Saravanan has over two decades of experience in soil science and agricultural chemistry. This, coupled with his deep-rooted connection to nature and his family's farming background, allows him to maintain a thriving business model that resonates with environmental conservation and economic empowerment.

After years of dedicated research and academic pursuits, Dr. Saravanan realised that his true calling lay in the field, where he could directly apply his knowledge and expertise to conserve soil health and promote natural farming techniques.

In 2017, he took the bold step of resigning from his prestigious position at the Tamil Nadu Agriculture University, where he had worked as a soil scientist for about seven years. The decision was not an

easy one. Dr. Saravanan's father initially opposed his choice, but his unwavering determination and vision for change kept driving him forward.

Embracing the principles of zero-budget natural farming, Dr. Saravanan dedicated himself to promoting sustainable agriculture practices that not only enhance soil health but also uplift agriculture income.

Returning to his roots in Tamil Nadu, he chose to revive his family's farming legacy by focusing on cultivating moringa oleifera — a versatile tree known for its nutritional and medicinal properties.

### ***Redefining moringa farming with sustainable practices***

Highlighting the difference between farming techniques for harvesting drumsticks and leaves, Dr Saravanan says, "In drumstick farming, trees are planted with a wider spacing of 15 feet, whereas in its leaves cultivation, saplings are planted closely together. The leaves are cut when the tree reaches a height of two feet."

"If you allow the tree to flower, the nutrition stored in the leaves will be used up to grow the drumsticks.

This will result in lesser-quality leaves. That's why I harvest the leaves before the flowering phase. Also, you can harvest leaves up to six times at 50 to 60 day intervals. This ensures year-round production," he explains.



Dr. Saravanan uses no-till cultivation to grow the moringa leaves. He implements organic farming practices using goat manure and farmyard waste. Additionally, he has also installed drip irrigation to ensure crops are grown without any wastage. To maximise production and suppress weed growth, he uses a new technique called bundle mulching, where crop residues, such as dry leaves are stacked along the crop rows to suppress weed growth.

"Using conventional mulching methods, I was unable to control weed growth. Its impact hardly lasted for two months. Meanwhile, the weed started growing again, so the major problem for which the mulching is done was not taken care of," he says.

"Accidentally, I had put a one-foot bundle of leaves along three rows in the field. After some time, I found it was very effective in checking weed growth. This controlled the weed growth for six to eight months. More importantly, it improved soil quality by making it more porous and allowing roots to grow easily," he adds.

Dr. Saravanan says the crop residues also decompose and release nutrients, resulting in fewer pest attacks and diseases. "It also improves the carbon/nitrogen ratio in soil. So it was an overall improvement," he informs.

### ***Driving profits, harvesting happiness***

The 54-year-old scientist-turned-farmer has redefined the concept of moringa farming as a harmonious blend of science and nature. By shade-drying moringa leaves, he transforms them into a wide range of value-added products, such as powder, capsules, and soups.

With this, he earns a net profit of up to Rs 40,000 every month. "By investing Rs 1 lakh per acre, farmers can fetch up to Rs 1.25 lakh annually just by selling their leaves. If they venture into value addition, they can earn up to Rs 2.5 lakh to double the profits," he says.

By leveraging his expertise in soil science and agriculture, Dr. Saravanan has not only transformed the fortunes of his family farm but has also created a thriving business model that resonates with environmental conservation and economic empowerment.



# NEWS CLIPPING

## सावधान: कहीं आप रत्न के नाम पर ठगे तो नहीं जा रहे!

कुछ चुनिन्दा ब्रांडेड रत्न, ज्वेलरों द्वारा नकली रत्न, ज्वेलरी देकर लोगों को ठगा जा रहा है। भोपाल में ऐसे कुछ ज्वेलरों के ऊपर एफआईआर तक हो चुकी है। जानकारी के अनुसार महंगे रत्न की ज्वेलरी विवाह-शादी इत्यादि हेतु गिफ्टेड ज्वेलरी में नकली कांच का टुकड़ा लगाकर एवं उसे स्वयं सर्टिफाइड कर उसे महंगे दामों में बेचा जा रहा है। विवाह हेतु रिंग सेरेमनी की अंगूठी में नकली हीरा होने का प्रमाण मिला है। ये रत्न वाले दूल्हे-दुल्हन प्रथम विवाह रस्म की अंगूठी में सबसे ज्यादा नकली हीरा लगाते हैं। दूल्हा-दुल्हन उस प्रथम रस्मी अंगूठी को शुभ मानकर संभालकर लॉकर आदि सिंदूर की डिब्बी में हमेशा के लिए रख देते हैं। वे कभी उसकी जांच तक नहीं कराते। इस विश्वास के साथ कि इसमें महंगा हीरा अथवा रत्न जड़ा है, परन्तु यह उनका भ्रम साबित होता है, जब वे अपनी इस अंगूठी की जांच कराते हैं। ज्योतिष शास्त्र में रत्न के विषय में कोई एक अकेला श्लोक नहीं है कि यह रत्न पहनने से यह ग्रह शांत होता है। रत्नों को वैभव बढ़ाने वाली वस्तु के रूप में जाना जाता है। राजे-महाराजे जूतियों, पीकदान, मुकुट, सिंहासन के अतिरिक्त दीवारों में भी रत्न जड़वाते थे, रत्नों का व्यापार होता था, इनसे ग्रह शांति नहीं होते। अगर रत्न से ग्रह शांत हो तो गरीब लोगों की तरफ ग्रह देखते भी नहीं। ग्रह दैवीय ऊर्जा शक्ति है यह पूजा-पाठ आराधना से प्रसन्न होते हैं। ज्वेलरों-रत्न वालों द्वारा कुछ प्रलोभी एवं दलाल किस्म के ज्योतिषियों का सहारा लेकर उन्हें कमीशन देकर महंगे-महंगे रत्न आपके द्वारा खरीदवाते हैं। अगर आपको कोई ज्योतिषी महंगा रत्न लिखता है एवं किसी विशेष दुकान से लेने से लिए कहता है तब आप निश्चित समझें कि यह ज्योतिषी नहीं, बल्कि रत्न वाले का एजेंट है। अतः आप सभी से निवेदन है कि आप अपने यहां रखी रत्न-ज्वेलरी की जांच समय रहते अवश्य करवा लें।

# महर्षि के बच्चों ने पृथ्वी बचाओ भविष्य बचाओ का दिया संदेश



फतेहपुर। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली से सम्बद्ध महर्षि विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण कर जल की एक एक बूँद बचाने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, वन व वन्य जीवों की रक्षा करने ईको फ्रेंडली वातावरण बनाने का संकल्प प्रार्थना सभा के दौरान लिया। जूनियर वर्ग के बच्चों ने हमारी शक्ति हमारा ग्रह विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता ने प्रतिभाग किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस विश्व के 190 देशों में मनाया जाता है। इसे मनाने का मुख्य आशय पर्यावरण और पृथ्वी संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने बच्चों से अपनी छतों पर गैरियों के लिए पानी और उन्हें अन्न देने के लिए प्रेरित किया। इससे विलुप्त होती गैरियों की प्रजाति बच सकेगी और पर्यावरण संरक्षण को मी बल मिलेगा। अन्न, जल, वायु व जीवन प्रदान करने वाली जगत कल्याणी माँ वसुंधरा आज प्रदूषण के देश को झेल रही है। हमें सृष्टि को बचाने के लिए धरा को बचाना ही होगा। यह कार्यक्रम विद्यालय के ईको क्लब द्वारा आयोजित किया गया।

## जे0ई0ई0 मुख्य परीक्षा में महर्षि के छात्र छात्राओं का दिखा दबदबा



### सांध्य हलचल ब्यूरो

**फतेहपुर।** देश के राष्ट्रीय स्तर के प्रौद्योगिकी संस्थान एन0आई0टी0 व अन्य इंजीनियरिंग कालेजों में प्रवेश के लिए विगत दिनों राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी द्वारा प्रायोजित मुख्य परीक्षा में महर्षि विद्या मन्दिर के छात्रों का पूरे जनपद में दबदबा रहा। विद्यालय के छात्र गौरव अग्निहोत्री ने 98.68 पर्सेंटाइल अंजली 86.79 पर्सेंटाइल अमन कुमार 94.28 पर्सेंटाइल, अवनी शुक्ला 85.0 पर्सेंटाइल, अनामिका मिश्रा 82.6 पर्सेंटाइल, वंदना पांडेय 81 पर्सेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। चयनित छात्र/छात्राओं ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से डिग्री लेकर भारतीय प्रशासनिक सेवा में योगदान करने का लक्ष्य तय किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि जीवन में सदैव बड़े लक्ष्य की ओर अग्रसर रहना चाहिए। अपनी शुभकामना देते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा में अपना स्थान बनाना बड़ी बात है। यह सफलता बच्चों की कड़ी मेहनत अभिभावकों एवं शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन से सम्भव हुआ। महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष ब्रम्हचारी डॉ0 गिरीश चन्द्र वर्मा ने सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की।

## महर्षि विद्या मंदिर पट्टा का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

नव स्वदेवता पन्ना

29 मार्च 2025 को सुबह 10 बजे महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल पट्टा का प्रथम चरण का (कक्षा वाटिका वन से 8वीं तक) परीक्षा परिणाम समारोह पूर्वक घोषित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुवात विद्यालय परंपरा अनुसार गुरु पूजन, सरस्वती पूजन एवं भावातीत ध्यान के अभ्यास के साथ हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अरविंद सिंह यादव एवं मुख्य अतिथि के रूप में श्रीराम जी वर्मा (रिटो0 टेजरी ऑफीसर) रहे। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य पी.के.दीक्षित ने सभी अतिथियों अभिभावकों का स्वागत वंदन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि विद्या एक ऐसा अक्षय धन है जो खर्च करने पर बढ़ता है और इसलिए सभी माता-पिता अभिभावकों को अपने पाल्य को विद्या अध्ययन में ही संभव सहयोग एवं मार्गदर्शन करना चाहिए। केवल अंकों के प्रतिशत से किसी छात्र को योग्य/अयोग्य नहीं कहा जा सकता बल्कि बच्चे के विशेष योग्यता वाले क्षेत्र को पहचानकर उसे उसमें आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। अरविंद सिंह यादव



(पूर्व जनपद उपाध्यक्ष) ने अपने उद्बोधन में कहा कि माता-पिता की सेवा ही भगवान की सेवा है। इसलिए छात्र/छात्राओं को संस्कारों की शिक्षा अवश्य दी जानी चाहिए और जिसके लिए महर्षि विद्या मंदिर की अपनी अलग पहचान है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीराम जी वर्मा (रिटो0 टेजरी ऑफीसर) ने कहा कि माता-पिता/अभिभावकों को छात्र के शिक्षण में वांछित सहयोग ज्ञान प्राप्ति की गति को कई गुना बढ़ा देता है अतः हर पिता अभिभावक को बच्चों के लिए समय अवश्य निकालना चाहिए। महर्षि जी के जीवन परिचय पर आधारित वीडियो क्लिप दिखाई गई। तदोपरंत कक्षा में

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र/छात्राओं एवं उनके माता पिता को सम्मानित कर उनका उत्साह वर्धन करते हुए परीक्षा परिणाम घोषित एवं वितरित किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय प्राचार्य ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त एवं समस्त छात्र/छात्राओं को उनके परीक्षा परिणाम के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी, तथा अतिथियों, छात्र/छात्राओं के अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए जय गुरुदेव के उद्घोष के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा की। प्राचार्य ने कार्यक्रम की सफलता का श्रेय विद्यालय स्टाफ एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं को दिया।



## Just to remind your goodself

Dear Readers,

We are very pleased to release 191<sup>th</sup> edition of E-Gyan Monthly Digital Newsletter. All previous editions of E-Gyan Monthly Newsletter have been sent to you through e-mails. In every edition of E-Gyan, we are requesting you to send related information of your field. The response has been good but not total. We want to have information from all of our India's Maharishi Organisations so that the students and others get proper encouragement when they find themselves on the E-Gyan pages.

E-Gyan Monthly News Letter is released in the first week of every calendar month. You must send E-Gyan matters so that they are received by us before 15<sup>th</sup> of every month. E-Gyan Monthly Digital News Letter is circulated to all members, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people's representative and other members of the civil societies.

### **E-Gyan Monthly News Letter contains the following:**

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities with its schedule, course details and venue.
3. Starting of new building construction, report on Bhumi puja or vastu puja or foundation stone ceremony.
4. Inauguration or graha pravesha or public offering of new building.
5. Special achievement of any Maharishi Organisation.
6. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
7. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
8. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
9. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/ corporations.
10. Outstanding performance of ex-students of Maharishi Educational Institutions.
11. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or organisation.
12. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, web site.
13. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
14. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
15. Launching of new product or programme with details, availability, and price.
16. Details of products already in market.
17. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.
18. Offering Vedic solution to any social problem.

19. Performance of any special Anushtan or Yagyas.
20. Vedic celebration reports.
21. Excursion tour reports.
22. Corporate visit, corporate training etc.
23. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
24. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
25. Report on academic or commercial collaborations.
26. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
27. Report on monthly Initiations in TM, Siddhi course and Advance Techniques.
28. Report on activities of Maharishi Global Movement.
29. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, their leaders, members, faculty, staff, students and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail [cpr@mssmail.org](mailto:cpr@mssmail.org) as word document file or in a CD to Shri V. R. Khare, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, MCEE Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462038). Hard copy should be neatly typed (“Times New Roman” font for English and “Devnagri” or “Chanakya” font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers. Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports.

Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit web site [www.e-gyan.net](http://www.e-gyan.net).

With All the Best Wishes  
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

**V. R. Khare**  
For Editorial Board,  
E-Gyan Monthly Digital Newsletter

*Copyright © 2025 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan*

*All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of Maharishi Ved Vigyan Prakashan.  
Maharishi Ved Vigyan Prakashan, Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh, Phone: +91 755 4087351*